मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से 'द नर्मदा स्टोरी' के निर्देशक जैगम इमाम की विशेष भेंट

मध्य प्रदेश की संस्कृति, महिला शक्ति और कलाकारों को है समर्पित

सच प्रतिनिधि || भोपाल।

आगामी हिंदी फिल्म 'द नर्मदा स्टोरी' की टीम ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर फिल्म के निर्देशक जैगम इमाम और अभिनेता शरद सिंह उपस्थित रहे। मुलाकात के दौरान फ़िल्म की विषयवस्तु, इसके निर्माण और मध्य प्रदेश से इसके गहरे जुड़ाव के बारे में मुख्यमंत्री को विस्तार से जानकारी दी गई। फिल्म 'द नर्मदा स्टोरी' पूरी तरह मध्य प्रदेश में फिल्माई गई है। नर्मदापुरम, भोपाल और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और सामाजिक परिवेश को फिल्म में प्रमुखता से दर्शाया गया है। विशेष बात यह है कि फिल्म के प्रमुख कलाकारों के साथ-साथ अनेक महत्वपूर्ण भूमिकाओं में मध्य प्रदेश के स्थानीय कलाकारों को भी अवसर दिया गया है, जिससे यह फिल्म प्रदेश की प्रतिभा का सशक्त प्रतिनिधित्व बनकर उभरती है।

फिल्म में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता रघुबीर यादव, मुकेश तिवारी, इश्तियाक खान, सदानंद पाटिल और आईपीएस अधिकारी-अभिनेत्री सिमाला प्रसाद जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। इन सभी का संबंध मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों से रहा है। वहीं रंगमंच और सिनेमा जगत के प्रतिष्ठित कलाकार आलोक चटर्जी की यह अंतिम फ़िल्म है। मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को समर्पित उनके योगदान को यह फ़िल्म एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि भी देती है।

फ़िल्म कई मायनों में विशेष है। पहली बार किसी मुख्यधारा हिंदी फिल्म में मध्य प्रदेश के कलाकारों को इतने बड़े स्तर पर प्रमुखता दी गई है। फ़िल्म में प्रदेश के शहरों और स्थानों के वास्तविक नामों का उपयोग किया गया है, जिससे इसकी प्रामाणिकता और भी बढ़ जाती है। इसके साथ ही पहली बार एक आदिवासी महिला पुलिस अधिकारी को इतनी बड़ी और केंद्रीय भूमिका में प्रस्तुत किया गया है। 'द नर्मदा स्टोरी' केवल एक क्राइम-थ्रिलर नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश की महिला पुलिस के साहस, समर्पण और शौर्य को सलाम करने वाली कहानी भी है। फिल्म एक महिला पुलिस अधिकारी के संघर्ष, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा को केंद्र में रखती है। साथ ही यह प्रदेश की जीवनरेखा मां नर्मदा के संरक्षण और उससे जुड़े सामाजिक सरोकारों पर एक नया विमर्श भी शुरू करती है।

इस अवसर पर निर्देशक जैगम इमाम ने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हमें समय दिया और हमारा उत्साह बढ़ाया, इसके लिए मैं उनका हृदय से आभारी हूँ। मध्य प्रदेश में फिल्मांकन करना बेहद सुविधाजनक और सुखद अनुभव रहा। यह प्रदेश कला, संस्कृति और इतिहास की अमूल्य धरोहर तो है ही, साथ ही आज औद्योगिक और आधुनिक विकास की दिशा में भी अग्रणी राज्यों में शामिल है। हमें पूरा विश्वास है कि हमारी फिल्म में मध्य प्रदेश की सुंदरता, विविधता और आत्मा का अत्यंत सुंदर फिल्मांकन हुआ है। इस फ़िल्म के माध्यम से देशभर के दर्शक बड़े पर्दे पर मध्य प्रदेश को एक नए दृष्टिकोण से देख पाएंगे। फिल्म के निर्माताओं का मानना है कि 'द नर्मदा स्टोरी' मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक चेतना और प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को भी राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का कार्य करेगी। एबी इन्फ़ोसॉफ़्ट क्रिएशन और गोल्डन रेशियो के बैनर तले बनी द नर्मदा स्टोरी में सिमाला प्रसाद, अंजलि पाटिल और अश्विनी कलसेकर प्रमुख भूमिकाओं में नज़र आएंगी। इनके साथ अनुभवी कलाकार ज़रीना वहाब, रघुबीर यादव, मुकेश तिवारी, शरद सिंह और इश्तियाक़ खान भी अहम किरदारों में दिखाई देंगे। फिल्म इस शुक्रवार, 12 जून को देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

केंद्रीय मंत्री ने किया दाजी द्वारा लिखी नई पुस्तक अष्टावक्र महागीता के पांच नुस्खे का विमोचन

सच प्रतिनिधि || भोपाल।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने हार्टफुलनेस के वैश्विक मार्गदर्शक दाजी द्वारा लिखी नई पुस्तक अष्टावक्र महागीता के पांच नुस्खे का विमोचन किया। यह पुस्तक प्राचीन आध्यात्मिक ज्ञान को आधुनिक जीवन की चुनौतियों से जोड़ने का प्रयास करती है।

पुस्तक विमोचन समारोह में नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों, आध्यात्मिक साधकों और विभिन्न क्षेत्रों के विचारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान आध्यात्मिकता और आधुनिक जीवन के बीच संतुलन तथा भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता पर चर्चा की गई। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि हार्टफुलनेस एक ऐसा विज्ञान है, जो व्यक्ति को स्वयं से जोड़ने और उसकी आंतरिक शक्ति को पहचानने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि भारत की आध्यात्मिक विरासत सदियों से मानवता का मार्गदर्शन करती रही है और दाजी उसी ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

ठुकरा के मेरा प्यार -सीजन 2 स्ट्रीम होगा 19 जून, 2026 से जियोहॉटस्टार पर

भोपाल आए 'ठुकरा के मेरा प्यार' सीजन 2 के कलाकार धवल ठाकुर और संचिता बसु ने लिया बोट क्लब में शाम का रोमांचक अनुभव

सच प्रतिनिधि || भोपाल।

भोपाल आए 'ठुकरा के मेरा प्यार' सीजन 2 के कलाकार धवल ठाकुर और संचिता बसु ने बताया कि इंतज़ार की घड़ियाँ अब और भी रोमांचक हो चुकी हैं। 'ठुकरा के मेरा प्यार''सीजन 2 का ट्रेलर आ चुका है, जो दर्शकों को सीधे एक ऐसी दुनिया में ले जाता है, जहां मोहब्बत मासूम नहीं रह जाती, बल्कि ताकत की कीमत व्यक्तिगत रूप से चुकानी पड़ती है। धवल ठाकुर एक ऐसे इंसान कुलदीप कुमार का किरदार निभाते हुए वापसी कर रहे हैं जो अपराधबोध और जुनून के बीच जूझ रहा है। एक ऐसा इंसान जिसने कभी कोई एक ऐसी गलती की थी, जिससे सब कुछ तहस-नहस हो गया और अब एक बार फिर वह खुद को राजनीति, सत्ता और अधूरी भावनाओं के खतरनाक जाल में खिंचता हुआ पाता है। संचिता बसु, शानविका चौहान के रूप में और भी ज्यादा धाकड़, दमदार और शक्तिशाली बनकर उभरती हैं। सत्ता के बेरहम गलियारों से गुज़रते हुए वह नियमों को मानने से साफ तौर पर इंकार कर देती है, भले ही इसके लिए उसे इस रास्ते में रिश्तों की परिभाषा को ही क्यों न बदलना पड़े।

यह ट्रेलर इस सीजन की एक ऐसी झलक दिखाता है, जो हाई-स्टेक्स पॉलिटिकल ड्रामे, सुलगते हुए बदले, इमोशनल टकराहट और टकरावों से भरा हुआ है। ''जैसे ही सीतापुर महत्वाकांक्षा और विश्वासघात की रणभूमि बन जाता है, कुलदीप और शानविका खुद को एक ऐसे खेल के विपरीत छोर पर पाते हैं... जहाँ भरोसा बेहद नाज़ुक होता है और इरादे कभी वैसे नहीं होते जैसे दिखाई देते हैं। यह सीजन जज्बातों के उस तूफान को और भी ज़्यादा गहरा करता है जिसने पहले सीज़न को एक मिसाल बनाया था, वही दिल का टूटना, वही बदले की आग और एक कमतर आंके गए कमजोर इंसान का हर दीवार लांघकर उभरना... लेकिन इस बार, यह खेल एक बहुत बड़े और कहीं ज़्यादा ख़तरनाक कैनवास पर रचा गया है।

इस बारे में संचिता बसु ने कहा कि सीज़न 2 शानविका को एक ऐसे मोड़ पर ले जाता है जो जज़्बाती तौर पर अनकही और अप्रत्याशित है। वह अब पहले से कहीं ज़्यादा मज़बूत है, खुद को समेटकर रखने वाली और सतर्क है साथ ही लगातार इस उलझन में है कि जब खेल में सत्ता और धोखा शामिल हो जाए, तो फिर प्यार के असली मायने क्या रह जाते हैं। इस सीज़न में जिस चीज़ ने मुझे सबसे ज़्यादा रोमांचित किया, वो यह है कि यहाँ कुछ भी पूरी तरह सही या गलत नहीं है... हर इमोशन अपने साथ एक अंजाम लेकर आता है।

कुलदीप कुमार के रूप में वापसी कर रहे धवल ठाकुर ने इस अवसर पर कहा कि, कुलदीप इस सीजन में अपने अतीत का बोझ उठाता है। वह इमोशनल होने के साथ ही एक अजीब तरह के द्वंद्व में है, वह जो महसूस करता है और जो दुनिया उससे उम्मीद करती है, उसके बीच लगातार फंसा हुआ रहता है। यह ट्रेलर केवल एक झलक दिखाता है कि इस बार उनकी यात्रा जज्बाती और निजी हो जाती है। इस बार कहानी का दायरा भले ही बहुत बड़ा हो गया हो, लेकिन इसके जज़्बातों की जो बुनियाद और आत्मा है, उतनी ही सच्ची और जमीनी है। भोपाल आए ''ठुकरा के मेरा प्यार'' सीज़न 2 के कलाकार धवल ठाकुर और संचिता बसु ने लिया बोट क्लब में शाम का रोमांचक अनुभव ।

अमेजन ने स्मार्टच्वॉइस फीचर का 10 इलेक्ट्रॉनिक्स कैटेगरी तक विस्तार किया,आज से 'स्मार्टचॉइस डेज' सेल

बेंगलुरु। अमेजन ने अपने एआई-सपोर्टेड स्मार्टचॉइस फीचर का विस्तार करते हुए इसे 10 कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कैटेगरी में उपलब्ध कराने की घोषणा की है। कंपनी का दावा है कि यह भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स शॉपिंग के लिए सबसे व्यापक गाइडेड-डिस्कवरी अनुभवों में से एक है। स्मार्टचॉइस ग्राहकों को उनकी जरूरत और उपयोग के आधार पर विशेषज्ञों द्वारा चुने गए प्रोडक्ट सुझाव उपलब्ध कराता है। यह फीचर अब लैपटॉप, टैबलेट, ऑडियो डिवाइस, कैमरा, मॉनिटर, वियरेबल्स, गेमिंग एक्सेसरीज, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन और एयर कंडीशनर जैसी श्रेणियों में उपलब्ध है। कंपनी ने बताया कि टीवी और स्मार्टफोन कैटेगरी भी जल्द जोड़ी जाएंगी।

इसके साथ ही अमेज़नने 'स्मार्टचॉइस डेज़' सेल की घोषणा की है, जो 11 जून से शुरू होगी। इस सेल में स्मार्टचॉइस द्वारा सुझाए गए प्रोडक्ट्स पर 60 फीसदी तक की छूट, नो-कॉस्ट ईएमआई और विभिन्न बैंक ऑफर्स दिए जाएंगे।

अमेजन की कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स डायरेक्टर जेबा खान ने कहा कि ग्राहकों को अक्सर इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की बड़ी संख्या और जटिल स्पेसिफिकेशन्स के कारण सही विकल्प चुनने में कठिनाई होती है। स्मार्टच्वॉइस का उद्देश्य ग्राहकों को उनके वास्तविक उपयोग के अनुसार उपयुक्त उत्पाद सुझाकर खरीदारी को आसान बनाना है।

कंपनी के अनुसार, स्मार्टचॉइस 30 अलग-अलग यूज़-केस सेगमेंट्स के आधार पर सुझाव देता है। उदाहरण के लिए, एक छात्र को लैपटॉप के लिए अलग सिफारिशें मिलेंगी, जबकि गेमर या वर्क-फ्रॉम-होम उपयोगकर्ता को अलग विकल्प दिखाई देंगे। इसी तरह एसी, वियरेबल्स और अन्य उत्पादों में भी उपयोग-आधारित चयन उपलब्ध कराया जाता है। अमेजन का दावा है कि इस फीचर का उपयोग करने वाले ग्राहक खरीदारी से पहले रिसर्च में लगभग 25% कम समय लगा रहे हैं। कंपनी के मुताबिक, स्मार्टचॉइस के माध्यम से होने वाली कुल खरीदारी में टियर-2 और टियर-3 शहरों की हिस्सेदारी लगभग 65 फीसदी है। कंपनी ने बताया कि विभिन्न श्रेणियों मेंइंटेल कॉर्पोरेशन, एएसयूएस, एचपी इंक ., लेनोवो, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स, बेनक्यू और सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे प्रमुख ब्रांड्स के उत्पाद स्मार्टचॉइस चयन का हिस्सा हैं।

फैक्ट्रियों में मशीनों का शोर 20 डेसिबल तक घटेगा

एमआईटी-डब्ल्यूपीयू के शोधकर्ताओं ने विकसित की तकनीक

पूणे। फैक्ट्रियों और वर्कशॉप्स में काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी (एमआईटी-डब्ल्यूपीयू) के शोधकर्ताओं ने एक नई तकनीक विकसित की है। यह तकनीक कटिंग मशीनों से होने वाले तेज शोर को 20 डेसिबल तक कम कर सकती है। साथ ही, यह मशीन से निकलने वाली चिंगारियों, धूल और छोटे धातु कणों को बाहर फैलने से भी रोकती है। देश में मैन्युफैक्चरिंग और फैब्रिकेशन क्षेत्र के विस्तार के साथ कार्यस्थल सुरक्षा और स्वास्थ्य एक और अहम विषय बनता जा रहा है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई है, ताकि कटिंग मशीनों से होने वाले तेज शोर जैसी आम लेकिन अक्सर नजरअंदाज की जाने वाली समस्या का समाधान किया जा सके।

एमआईटी-डब्ल्यूपीयू के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के फैकल्टी मेंबर डॉ. रोहित रघुनाथ घाडगे, डॉ.महेश वसंतराव कुलकर्णी और पीएचडी स्कॉलर यश उत्साही चावंडे ने इस तकनीक को विकसित किया है। यह एक विशेष सुरक्षा कवच के रूप में तैयार की गई है, जिसे नई और पुरानी, दोनों तरह की कटिंग मशीनों पर आसानी से लगाया जा सकता है। इसमें पारदर्शी खिड़कियां भी दी गई हैं, ताकि कर्मचारी सुरक्षित रहते हुए मशीन का काम देख सकें। यह अलग-अलग आकार की वस्तुओं की कटिंग के दौरान भी आसानी से इस्तेमाल की जा सकती है।

नर्सिंग पेशे के प्रति गलत धारणा पर कंगना ने बोला तीखा हमला

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस और राजनेता कंगना रनौत ने अपनी आगामी फिल्म भारत भाग्य विधाता के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर कहा कि नर्सें हमारी स्वास्थ्य सेवा की सबसे मजबूत रीढ़ होती हैं, लेकिन अफसोस की बात है कि इस पेशे को समाज में अक्सर यौनिक नजरिए से देखा जाता है। समाज में नर्सिंग के पेशे को लेकर व्याप्त गलत धारणाओं और यौन उत्पीड़न के नजरिए पर कंगना ने तीखा हमला बोला है। नर्सिंग पेशे की जमीनी हकीकत बयां करते हुए कहा कि नर्सों को न सिर्फ बहुत कम सैलरी मिलती है, बल्कि उनसे जरूरत से ज्यादा काम भी कराया जाता है। उन्हें बदले में वह सम्मान और सराहना कभी नहीं मिलती जिसकी वे असल हकदार हैं। उन्होंने फिल्म के एक डायलॉग का हवाला देते हुए बताया कि लोग अस्पताल में नर्सों को देखकर टाइमपास के लिए दो-चार बातें करने की कोशिश करते हैं, जो समाज की बेहद ओछी और कड़वी सच्चाई को दिखाता है। कंगना का मानना है कि जब भी अस्पताल का जिक्र होता है, तो लोग सिर्फ डॉक्टरों के योगदान की बात करते हैं, जबकि मरीजों की देखभाल से लेकर अस्पताल की साफ-सफाई और पूरे सिस्टम को चलाने की असली रीढ़ नर्सें, वार्ड बॉयज और चौकीदार जैसे सपोर्ट स्टाफ ही होते हैं, जिन्हें हमेशा नजरअंदाज कर दिया जाता है।

कंगना की फिल्म भारत भाग्य विधाता मुंबई में हुए 26/11 के खौफनाक आतंकी हमलों के दौरान कामा अस्पताल के जांबाज स्टाफ की बहादुरी की कहानी बयां करती है।

सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच एक्सप्रेस पर। आवेदन के लिए लिंक करें www.buddy4study.com

आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025

- विवरण: आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025, पॉलिसी, पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस फाउंडेशन द्वारा अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों को प्रदान किया जा रहा है। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम युवा, उत्साही व्यक्तियों को राजनीतिक और नीति निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का अन्वेषण से अवगत कराता है।
- मानदंड: आवेदन अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक अध्ययनरत छात्रों के लिए जारी है। उन्हें स्नातक अध्ययन पूर्ण करने के बाद राजनीतिक या नीति रणनीति परामर्श में करियर बनाने में रुचि होनी चाहिए।
- इनाम/लाभ: रुपए 5,000 का मासिक स्टाइपेंड तथा सराहना प्रमाण पत्र।
- अंतिम तिथि: पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक:. www.b4s.in/sach/ICPI1
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloud-front.net/static/images/scho-media/icpc-internship-programme-20251774330906.png

नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026

- विवरण: नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जा रहा एक अवसर है। यह फेलोशिप यूजीसी-मान्यता प्राप्त संस्थानों में विज्ञान, मानविकी, या सामाजिक विज्ञान संकायों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पात्र छात्रों को प्रत्येक वर्ष 2,000 नई फेलोशिप प्रदान की जाती है।
- मानदंड: सम्बंधित राज्य सरकारों द्वारा सूचीबद्ध अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन जारी है। आवेदकों को यूजीसी-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों में पूर्णकालिक, नियमित एम.फिल. या पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, उन्हें राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या स्नातक अभियान्त्रिकी प्रवेश परीक्षा (गेट) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभ: प्रति माह अधिकतम 35,000 रुपये तथा अन्य लाभ।
- अंतिम तिथि: 20-12-2026
- आवेदन कैसे करें: यूजीसी-नेट-जेआरएफ या यूजीसी-सीएसआईआर नेट-जेआरएफ परीक्षा के मेरिट आधारित चयन द्वारा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य ।
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/NFSC1
- QR Code: https://dle9eg0t05513. cloud-front.net/static/images/scho-media/nation-al-fellowship-scheme-for-scheduled-caste-students-nfsc-20261769489377.png

नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026

- विवरण: नोकिया फाउंडेशन स्कॉलरशिप 2026, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों (आईसीटी) या सम्बन्धित क्षेत्रों में पीएचडी प्राप्त कर रहे छात्रों को नोकिया फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जा रहा है। यह डॉक्टोरल उम्मीदवारों को अपनी शोध कार्य को कुशलता एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखता है।
- मानदंड: आवेदन फिनिश विश्वविद्यालय में आईसीटी या सम्बन्धित वैज्ञानिक क्षेत्रों में डॉक्टोरल डिग्री प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए जारी है। आवेदकों के पास आवेदन के समय डॉक्टोरल शोध प्रबंध से सम्बन्धित कम से कम एक स्वीकृत प्रकाशन होना अनिवार्य है, तथा उच्च गुणवत्ता युक्त, तीव्र गति के साथ डॉक्टोरल अध्ययन का अच्छा रिकॉर्ड होना आवश्यक है। उन्हें पूर्व में यह स्कॉलरशिप प्राप्त न हुई हो।
- इनाम/लाभ: रु 7,500 तक की स्कॉलरशिप राशि।
- अंतिम तिथि: 15-09-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक: /www.b4s.in/sach/NKSP2
- QR Code : https://dle9eg0t05513. cloud-front.net/static/images/scho-media/nokia-foundation-scholarship-20261773726760.png

इंडिया हाई फ्लायर अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप्स 2026-27

- विवरण: इंडिया हाई फ्लायर अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप्स 2026-27 बर्मिंघम विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय छात्रों को प्रदान की जा रही है, जो विश्वविद्यालय में निर्धारित पूर्णकालिक पूर्वस्नातक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हैं।
- मानदंड: आवेदन उन भारतीय छात्रों के लिए जारी है जिनके पास बर्मिंघम विश्वविद्यालय के कैंपस में सितंबर 2026 से शुरू होने वाले पूर्णकालिक पूर्वस्नातक कार्यक्रम के लिए प्रस्ताव प्राप्त है। आवेदकों को विदेशी शुल्क भुगतानकर्ता के रूप में वर्गीकृत किया जाना आवश्यक है और उन्हें नामांकन प्राप्त होने पर 31 अक्टूबर तक अपनी कुल शिक्षण शुल्क का भुगतान करना होगा। इसके अतिरिक्त, उन्हें विश्वविद्यालय के किसी एक स्थानीय प्रतिनिधि के माध्यम से पंजीकृत और आवेदन करना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभ: एक वर्ष की शिक्षण शुल्क हेतु 5,000
- अंतिम तिथि: 30-06-2026
- आवेदन कैसे करें: विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों के माध्यम से ऑफलाइन आवेदन
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/IHFS2
- QR Code: https://dle9eg0t05513. cloud-front.net/static/images/scho-media/india-high-fliers-undergraduate-scholarships-2026-271777356352.png

आईईटी इंडिया स्कॉलरशिप अवार्ड 2026

- विवरण: इंस्टीट्यूशन ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा पूर्वस्नातक इंजीनियरिंग छात्रों को अपनी रचनात्मकता, नवाचार और नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने हेतु आमंत्रित किया जा रहा है। इस स्कॉलरशिप का उद्देश्य भारत में उभरती हुई इंजीनियरिंग प्रतिभाओं को पहचानना और उनका सहयोग करना है, ताकि वे उत्कृष्टता हासिल कर सकें।
- मानदंड: यह स्कॉलरशिप एआईसीटीई/यूजीसी-स्वीकृत संस्थानों के किसी भी वर्ष में अध्ययनरत सभी ब्रांचों के पूर्णकालिक यूजी इंजीनियरिंग छात्रों के लिए जारी है। आवेदकों ने अपने सभी क्रेडिट पाठ्यक्रम एक ही प्रयास में उत्तीर्ण किए हों और उनके कुल अंक न्यूनतम 60 प्रतिशत (या 10-पॉइंट स्केल पर 6.0 सीजीपीए) हों। इस छात्रवृत्ति हेतु कोई आयु सीमा लागू नहीं है।
- इनाम/लाभ: रुपए 20,00,000 मूल्य राशि की छात्रवृत्ति
- अंतिम तिथि: 15-06-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक: www.b4s.in/sach/IET6
- QR Code: https://dle9eg0t05513. cloud-front.net/static/images/scho-media/iet-india-scholarship-award-20261777350174.png